Popular Front of India

G-78,2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindikunj, Noida Road New Delhi- 110025
website: www.popularfrontindia.org email:popularfrontmail@gmail.com Tel: 011-29949902

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली
30 सितम्बर 2017

बदनाम करने की मुहिम, दबाने के लिए ज़मीन तैयार करने की कोशिशः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय सचिवालय की बैठक के बाद जारी बयान में यह दावा किया गया कि संघ परिवार के फासीवादी एजेंडे के खिलाफ पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के अटल स्टैंड और अपने कर्तव्यों को पूरा करने में सरकार को मिली नाकामियाँ गिनाने की वजह से पॉपुलर फ्रंट को दबाने की लगातार कोशिशें की जा रही हैं।

यह कोशिशें कुछ विशेष सरकारी एजेंसियों की मदद से की जा रही हैं ताकि जनता के बीच संगठन की छवि को खराब किया जा सके। मीडिया का एक वर्ग एनआईए की कुछ लीक रिपोर्टों को आधार बनाकर पूरी तैयारी के साथ ''आतंकवाद'' की मुहर लगाते हुए इस मामले को खूब ज़ोर व शोर से दिखा रहा है। बदनाम करने की इस मुहिम का मकसद जनता के बीच घिसे पिटे ख़्याल पैदा करना है, ताकि बाद में संगठन की गतिविधियों पर रोक लगाना आसान हो सके।

एनआईए की रिपोर्ट में केरल की दो स्थानीय घटनाओं मुवत्तुपूझा और नारथ का हवाला दिया गया है। उनमें से किसी एक को भी आतंकवादी गतिविधियों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। क्योंकि पहले केस में, ट्रायल कोर्ट ने पॉपुलर फ्रंट और उसकी लीडरशिप दोनों में से किसी को भी लिप्त नहीं पाया। जबकि दूसरे मामले में, केरल हाई कोर्ट ने यूएपीए को हटा दिया था और सुप्रीम कोर्ट ने भी हाई कोर्ट के फैसले को रद्द करने की एनआईए की अपील को नामंजूर कर दिया था।

सिमी के फिर से वजूद में आने की बात भी पूरी तरह से बकवास है और इसे पहले भी रद्द किया जा चुका है। पॉपुलर फ्रंट की पहली शक्ल नेशनल डेवलप्मेंट फ्रंट की स्थापना 1993 में हुई, जबकि सिमी पर प्रतिबंध का ऐलान 2001 में किया गया।

पॉपुलर फ्रंट एक खुली किताब है और मीडिया की लीपा पोती के बाद जो भी आरोप इस पर लगाए जा रहे हैं, वे दरअसल वही पुराने हैं जो पहले भी बेबुनियाद साबित हो चुके हैं। ऐसा इसलिए भी किया जा रहा है ताकि नोटबंदी के बाद मीडिया के द्वारा बयान की गई सरकार की नाकामियों से जनता का ध्यान हटाया जा सके और जबरन घर वापसी के शिकार कुछ लोगों के द्वारा सामने लाए गए हिंदुत्व ब्रांड की कुछ नफरत को बढ़ावा देने वाली घटनाओं पर पर्दा डाला जा सके। पॉपुलर फ्रंट सीधे जनता तक पहुँच कर और लोकतांत्रिक व कानूनी तरीकों को अपनाते हुए इस प्रकार की बदनाम करने की मुहिम और दबाने की कोशिशों का प्रतिरोध एवं मुकाबला करता रहेगा।

राष्ट्रीय सचिवालय की बैठक कालीकट में हुई और पॉपुलर फ्रंट के चेयरमैन ई. अबूबकर ने बैठक की अध्यक्षता की।

मुहम्मद अली जिन्ना
महासचिव
पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली